॥ ॐ नमः श्री गणेशाय नमः ॥ अथ सनेह
लीला लीष्यते ॥ येक समै ब्रजबाम की सुरति
भई हरिराय ॥ निजजन अपनौं जानिकैं ऊ
द्धव लियै बुलाय ॥ १ ॥ तब श्रीकृस्न वचन
यैसैं कहे ऊधव तुम सुनि लेहु ॥ नंदजसो
धा आदि दे जा ब्रजि कौं सुष देह ॥ २ ॥ ब्रजबा
सिब लमसदा मेरे जीवन प्रान ॥ ताकौं नि
त निजमन

सन्है॰ मथनविसरोंमोहिनंदरायकीआन ३ मैउन
१ मैंअसैंकहो आवगेरीपुजीति अवैनोर
कसैंवनपीतामातसुप्रीति ४ उंधोवेब्रजि
जोषिनाउनकोमेरेध्यान उंनकोंजाउ
पदेसद्योंपरनब्रंह्मसुग्यान ५ वागोअप
नाअंगकोकीटमुकटपहरान श्रीकुंड
लमालादैअपनौंभेसवनाय ६ औरअ

पनुरथ साजिकै साथि स्वार थियि दीन ऊधो
चरनप्रनाम करिरथ आरोहन कीन ७ वी
द्यावंत विवेक वंत सीलवंत कुलसुध वि
तवहन जानन सवै सोपठिये श्रीउध ८
प्रेमसखा श्रीकस्न कौं सुरगुर सयाप्रवीन
तातै लायक पठियो व्रजिकौ आयुस
दीन ६ रथ जोति उधो चले आनंद अति

स०कृ० मनमाहि दिनकरिगृहआपातिगयेनंद
२ केगाय १० दिसिदिसिगोरधनआवही गो
रजमाझकीगाज बछबचनलागनभले
मानहुध्यानसुरराज ११ अपनीअपनी
मंडलीमीलिग्वालनवेवृंद मुरलीमधुर
वजावही गावतगुणगोविंद १२ गोदो
हनमोहनञ्चीयाटेरतलेलेनाव गोरज

उडिअंबरलगीछविपावतनंदगाव १३
यवैसुधोरयहाकिवैंगयेनंदकीपोरि नं
दजसोधादेषीकेसनुमुषिआईदोरि १४
उधोरथसैउतरेमीलिनंदसुध्याईनैनस
जलजलसोंभरे आनंदउरनसमाहि १५
करगहिगृहमैलेगयेसुतसनेहकेभाइ अ
सनबसनबहोविधिदीये निजमंदरपध

स०ह० राई १६ अरु चंदन पहोप जल धूप दीप देग्रा
३ दि विधि पूनपुजा करि सुष सम्पा कुसमा
दि १७ नंद जसोधा ग्रानंद सौं पुछन लागी
वात सुरसन के पुत्र की कहो परम कुसला
त १८ उन के षटवाल कहि ने वांद मेलि
वे काज वै निस दिन देषत भये दुष्ट कंस
के राज १९ भली भई स्यान पकी ग्यो ग्री

कं

क्रमकीयोहतिर्मसनादिननैदुषपावहि

पितामातजादुर्वंस २०। जाकैअष्टाह्मा

नीयाराममहक्रमसुतदोय सरभरतावसुदे

[illegible]कहाकोनयेहोय २१ देवनकेमंग

लभयावसदेवपरिजनमंत्र घरिघरि

प्रतिसबसुरनकै दुंदभिबजेअनंत

२२ पटरानीदेवकीसुतासुकनहम[illegible]

स्नेह०१ पाल जाकै गर्भ प्रगट भये राम कृष्ण दोऊ
४ बाल २३ ऊधो तातै किजीये उनको सुम
रन ध्यान अब ऊधो कब आवैंही नंदबधा
ईकहान २४ सुफलके सुत आयेईहा श्री
रामकृष्ण ले जान तातै तन गति दोम ईया
हां देह वाहां प्रान २५ जसोधा नैनजल
रे सुभ कंठ ऊंसास मन हिलेत कहि कहिवा

मैपुत्रकौभरिहियोलेत २६ निमषनि
मषमैरुगड़तेवैमोहनदोउभ्रात अ
बकबहुवादेषिहौंचोरिचारिदधिषात २७
मोतनकीमालागुलेराजहंसगतिहार
अरु औंगनाकबदेषिहौंरामकृसकीजो
र २८ पीतांबरकीबोठरगी औरमधुरि
बाजेबैन अबबहोरोकबदेषिहौं बन

म.रे. वनचालत्तधेनि २९ वैतोभुयेहोतहैं
५ प्रातकालकीवानि वहांकोहोकुरणलघु
हीघीसुरोटिसानि ३० वातयेकवादो
सकीनुमसैकहोवनाय हीयामैकरिवा
लसी चितचितवैहजाय ३१ ऊधोयै
उफनिचल्याहूदोरिचेतिरसाई पीछेनेमे
रेललादधकोभाजनभंग ३२ मोटेषत

हीरिसमईथोरेदधकैकाम्रि ऊंघलतैं
आनंदघनामैवांधोगहिवाह ३३ नारि
ननेषटकटसदासोमेरेवाबवेक ऊंधो
ईननुसंभवैसुतस्पोमोगुनयेक ३४
तबउधोअसैकह्योंसुतकेसुनुसंदेस
ऊनकोनाहिनबीसरुयाब्रजिकोआदे
स ३५ तुमहपायलागनककह्योजनमैंने

सने०१ नभराई मानानाहीनवीसरु जीयबडो
६ कीयोपयपाय ३६ नादीनतेआईहां
छाडोगोकुलगावै मोहनकोउनाकहैं
कान्हकान्हकहिजात ३७ जबहमतुम
नैवीछरेआयेमथुरामाझ हमकवहुना
हिपीयो दहीमातनसाझ ३८ अहतु
वावानंदसौंऐसैकहियोयाई वैतुम

निकैरषियोधोरिधमारिगाई ३९ और
तुममनवचकर्मकरि करिहौंपुरनका
म आवैगेदीनपाचमेहममईयावलि
राम ४० राजपाटसिंहासनापानपान
ष सुदैन तिनमोसुषपावतभलेवंसीवट
संकेत ४१ वातकहतनवीत्तिनीमानम
चरकीन्हौगपान मानुगर्जनमेघकीघरि

स्ने० घरिदधमध्यान ४२ उधोउठिजमना
७ गये कीन्हौ जलसनान सेवासुमरनबं
दगीजीनोकअपनौध्यान ४३ करि
करिआयेधोकमैं उधोमनीआनंद
याव्रजिसुषयावनमलैं पुरनपरमानंद
४४ अपनेअपनेधामतैवाहरिआ
येग्वाल रषदेष्योगोपालकोनंदम

हरकैद्वार ४५ जुपजुयतेईकठिभईकी
न्हौंयेकविचार येनाहिमुतनंदको हैं
कोउप्रतिहार ४६ उंधोपगोपीगईकी
न्हुंवंदनपान सीसनीवायआदरकी
योसयाहृस्मकोजानि ४७ उंधोव्रजि
आयेभलेकहोहृस्मकिवात वाहाजाई
कीन्हीभलेकहोकुछउत्तिमवात ४८

स्ने॰ तुमसावेउंतिममसखामनक्रमवचनस

८ हेत प्राननकुहरिलेगयेपिंडदानतुम

देत ४९ ईहैव्रजिकबहुआईहे मैयाके

हितकाजि व्रजजुवतीनकोंनामजें भ

येहैक्काकेराज ५० तमश्रवनछाडिसु

निमोरपछवनघात अरहीसाचेवि

त्रकीनाहिदेषिमुकचात्त ५१ उधो

हमतोवावरिवेकैरैकोनसैप्रीतिक्ष्
जाइछाडिसवैनंदगावकीरीति ५२
जवउधौग्यसैकह्योसुनौसकलवृजिना
रि वातकहोपरब्रह्मकीग्यानमतंतेवि
चारि ५३ वैनमपेकरिहैरूपाप्रभुनाजा
निग्पतिप्रेम तजियेनातेगावको
मजीयेपरनब्रंह्म ५४ छामायापाछर या

सन्हे. हतहोतनहीउनमान हरितुमसौंत्र
९ सैकहौंभजियेसोभगवंत ५५ जायदको
जोगेखरालगेरहनउनराग सोसाधन
कीजेसदातुमहेगहोवैराग ५६ नैन
भरीमुखमुदगह नीगुणरेहतगुणधा
म तवतुमहिमैदेषिहै आपहिआत
मराम ५७ उंधोअंतरकठिनहै कठि

नबातकहिजात मुषमरन दिनसात
लैंसिंहघास नहिषात ५८ जदिय
जोगप्रसिद्धहै तौतुमहीलै जान बहो
रुनाहिनपाहिहैं ऐसोऊतेमदाव ५९
उधौजातेदेषियेतंतरुपमनमाहिसो
हमकुसीषावतकहा तुमहिसाधोना
हि ६० वेतोउनकौंचाहिये जिनके

सनेह० १०

अंतरराई दादरतौजलविनजीवैमीनतु
रतमरजाय ६१ हैदोऊईकठोरकेदादर
मीनसमान वैजलविनमाहृबषैवृवि
छुरततनजपीरान ६२ उंधोइतनुअंत
रौब्रजमथुराकेलोग बीयकरौयाह
कौंजारिदेहसबजोग ६३ पठयेआये
कौनकेकौनमित्रकौंजानिः ईहातुम्हा

रोकोंनसौंकहोकोनपहिचानि ६४व
चनवचनवाटनवृथा नहिज्ञाननम
नहेत मधुकरराधेअंगपरि कहालौ
नघासिदेत् ६५ मनकोरतनसावरे
कपटीपरमपुनीति मधुकरलोभि
वासकेनिमषयेककेमीत ६६नु
मतोस्वारथकेसगेनहिवोलिसौंभा

सन्हे० ७ व्र भावतोगहबरबठोभावजरिवरि
११ जाय ६७ तुमतोचरनानाहुवो ग्र
सिगतिकेवीर मधुकर भ्रंतेरलाल
चीनहिजाननपरिपीर ६८ हमतु
मकोकैसेंकहैं मधुकरसुनोसंदेस
नाहरिजातिनपातिकेकहाकरो ऊ
पदेस ६९ किनवीधनासराजिहमें

कितदिन्हौव्रजिवास कीनमीलायस्री
कृस्नकोकितविछैरनकीग्रास ७०
नैनहमारेमधुकराग्रांनंदकृस्नस
रोज व्रजिछाडिजादिवसकीवैरिभ
योमनोज ७१ मनमोहनवानावहैं
मोहननैनविसाल मोहनमूरिते
माधुरिमोहनबचनरसाल ७२ सेब

सने० १२ अंगमोहनरूपहैं मोहनसबउनिहारि मो
हनपेकछुमोहनिलैमोहिबुजिनारि ७३
संगरहतहोस्यामकैनहिजानतपरपी
र बिछुरैगेहरिसंगतेजबजानेगेबी
र ७४ बचनबचनमोहीचपा हमनु
मकीतीकवात सुरनरमुनिमोहेसबे
एकेथामलेजात ७५ एकसमैनिसी

सरदकीमोहनबैनबजाई मैनसैनदे
वजिबधुलीन्हीसवबुलाई ७६ ग्ररस
परसहमसैमिलैकुंजनकीयोग्रोहा
र सोसुषनाहिनविसरोसुमरोवारं
वार ७७ येकसमैजलकैविषेकरत
केलिग्रसगान चिरचोरितरवरचठ
वेजसोधाकेकान्ह ७८ वहोलनाहि

प्रे० नविसरुभुजवलकोउनिहारि राषिलो
२३ येव्रजिकुलसबैकरपरगीरवधारि ७९
वहोरुवनवनकवियेकुंजकुंजकेधा
म हरितुमसोक्रिडाकरि पलपलपु
रनकाम ८० येकसमैयेक गोपि
का गईनंदकेद्वारी दधचोरतदेषेह
रि चलेचापपटमारि ८१ हरिदेष

तठाडेभये ग्रायेसाकरिघोरि मटकी
पटकीभुमीसूहसिहारकौतोरि ८२
यौसिदिनदिनकीकथावरननना
हिवोर हमग्रोरजानतसबमनमो
हनचितचोर ८३ लीलागोकुलगा
वकीहमजानतमनमाहि उंधोनु
मथ्यवनसुनिनैननदेयीनाहि ८४

वन्हे० तौतुमहल्यायेजोगकोजादुपतिपरधा
१४ न हमरसकौसीचीसबैनहिभावतरस
ग्यान ८५ येवातेंसबद्योसकीसाषिभरे
सवगाव जदपिभजेकहुमुपकौंनोवी
मिचारागिनाम ८६ मधुकरअपनेचौ
रकौसबकोईडारमारि मेनचोरहमकौ
मिलेतौमरबसडौरैवारि ८७ सीपरहत

सागरबीथैं मनमिलायनहिलेत मधुक
रयेह ऊति ममनोखातिबुदसोहेत ८८
मानसरोवरतेउडे न्यानमु मिचलिजाई
बीधिवाहनवछिनविना औरकहूनाहि
घात ८९ जलनाहिपोरोक हुसागर
नदिनिवान मेघबुंदचात्रगजिवेऔ
रसबरुठसमान ९० येदोऊनेनविरा

न्हि०टके निगमकहतहैनीति उनचकोर
२५ अंनरकीयो दिनकरि अरिससिमीत
५१ वलिहोतबरषासमेकरेहेछिसोमी
ति आनगयाछाडेनहीअपनीउत्ति
मरिति ५२ तुमहमतौनलदेहहै ई
तनीजानतनाहि रमतजियेजोगको
तोयेहव्रतमंगेमाहि ५३ करिहेजेआ

येकरतउचनीचकसंग हमकवहुनाहि
कीयोईस्टभावसभंग ९४ जदियकुव
ज्ञावनुरहैतोहुकंचाकीदामि भवन
गवनकीन्हौंजवै तुम्हनिजसेवगपामि
९५ ताछिनतनाहिडरै बेडभुपकेप्र
नकैवैसाचेगवरैकेतुमसाचेदूत ९६
येहकठिनलागतहमै अनोम्योमकेहे

ह्नै० त आपवहाकुबज्यारविहमजोगमुयेदेत
२६ ९७ जोकछुलीय्योलीलाठमेविछुरनमी
लनसंजोग दोसकोनकोदीजीयेयेह
जाननसबलोग ९८ देहधरीनाकारने
लगरहैनाकेकामि मनघडीय्योरम
सोमसो नहिजोगकोठम ९९ मोरमु
कटगुजावनि कुंडलतीलकमठालपी

तांबर छुद्रिघंटिका ओरवजंति माल १००
कर लुकेरी मुरली गहघुघरवारे केस ह
मरे नैनन मैवस बेहमनोहर भेस १०१
तंव ऊधो असे कह्योधनिधनि होव
जिनारि बातकहतपरब्रंह्मकीग्यान
मतंतवीचारि १०२ आलीलानुमका
रलोगोपिभेयओतार निरगुणतेस

हे।रगुणमयेनमस्तुकरतविहार २०३ निं
२७ गमजहांपोजतरहें अगम आगम
नहिंआत जोनमरिकूठनागहें औप
पतिश्रीभगवंत २०४ जोगेस्वरपावेन
ही सीधिसमाधिलगाय सोतुम्हरेर
सबसिमयेगोकुलचारनगाय २०५
कहतकहनअसिकपा वहारहेयट

मास अबउधो अागपालई नीजचरन
नकीआस १०६ नंदमीलेजसोधामिले
मिलिगोपिसबग्वाल बंदनकरिकोर
वाहुरेचालेउधोवाल १०७ नंदकह्यो
जसुधाकह्योगोपिकह्योवहोरि बेर
जधानिरमरहेव्रजिकोनातेतोरि १०८
हरिहमपैकरिहक्रपा येंनीजसेवग

स्नेह० जानी प्रभु हमकुं जीनवीसरौं पुरवलीपे
१८ चानि १०९ अबउधो आयेईहा श्रीकृस्न
चंद्रकैधाम पायलागीवंदनकीयो ले
लेबोलेनाव १९० ग्वालबाल औरगो
पिकाब्रजिकेजीव अनंत नु फ्या
यलागनकह्यो मनोदेवब्रजिनारि १११
नंदजसोधाहेतकीकीतनी कहुवडाई वे जो

ननकैंतु मभलै मोपकहीनजात ११२
और गोपिनके प्रेमकी महिमाकछुअ
नंत मैबुझीषटमासलौंतोउंनपायो
अंत ११३ वैचितनैटारनहींस्यामराम
कीजोरि मदनायकमुरलीगहे मूरति
मधुरकिसोर ११४ देहगहेछाडेकेंकर
नरूपकौंध्यान उंनकोभजनवीचारिये

सनेह० २५

औरसमफीकोगपान ११५ संतभगत
भतलबीयेसबब्रजिकीनारि चरनस
रनरहीयेसदामिथ्याजोगबीचार ११६
उनकेगुननीतिगाईये करिकार उनी
मप्रीति मैकबहुदेख्योनहीब्रजवास
नकीप्रीति ११७ ब्रजितजिग्रंतनजा
यहू मेरेहैयारेक भतलमार ऊंनारि

हौंधरिहौहपग्येनेक ११८ नवहीरउधो
सौंकहौं हूजानतसवअंग मेकबहू
नहीछाडिहै ब्रजिवासनकोसंग ११९
ऊंधोनुमजानिसमैप्रेमभगतकीरीति
गोपीकोसनबंदनकर उपजप्रेमप्रीति
१२०\ श्रीक्रस्नभगतजोजानिये जिन
केअंतरप्रेम राषैअपनाईष्टकोगोप

स्ने० २०
निकोसोप्रेम १२१ यालीलाव्रजिवासकी
गोपिकम्रमसनेह जनमोहनजोगाव
हितोपावेनरदेह १२२ जोगावैसीष्येसु
नै भावभगतिहरिहेत रसकरणापुरण
रूपा मनवंछतफलदेत १२३ गोपीऊ
धोकीकथाभुतल्लप्रेमपुनीति तीन
लोकचोदाभवनमें वंदनकेसोगीत १२४

नामत सकलकलेसकलि उपजावै
मनमोद जुगलचरनमकरंदनिमान
नप्रेमवीनोद १२५ इतिश्रीभवरगीता
संपूर्णम् ॥ राम राम रामरामरामरामराम

॥श्रीगणेशायनमः॥ नमोनमोनमस्का
रगुसांई घटघटव्यापिकजलयलमाही

गो.म. १ येकब्रंह्मदुजाकोनाहि तेरीकलास
२१ कलजुगमाहि २ पारब्रंह्मपुरणपैदाग
गर नारायणनरसिंहनटनागर ३ रा
महिअलयपुरषअभीनासि तेरिमा
उसकलपैदासी ४ सुरन्नेतीसोरीपत्र
व्रासी नोजोगेश्वरसीदुचौरासी ५
अज्ञाकारी रहैं जुठाठे करजोरैकरनाक

रगाठे ६ वेंझरूदुईडुदेवदाना वेतो
हरकेसदाऊरज्ञाना ७ वडेवडेदीकपा
ल्वकहावे नेरादीसबकोइपांवे ८ राम
सुमरमेरामनभाई तोसुवारंवारकह्यो
समझाई ९ गुरउपदेससुनोदेकानां रा
मसुमरीमनमुठदीवाना १० सदाराम
साकडेसहाई सुमरतरामसदासुखपाई

राम॰ ११ रामहीसबदूषभंजनहारा रामहीमहा
२२ सुषकेदातारा १२ रामहिजीवनरामअधा
धारा रामहीप्रेमरामहीप्यारा १३ रामही
जीवकरैनिस्तारा रामहीनरकनिवार
नहारा १४ रामहीसींधुउतारैपारा रा
महीभौसागरनिस्तारा १५ रामहीसज
नरामहीसाथीरामहीजीवनमरनसं

गाती २६ रामहीवंधुरामहीभाई रामही
पीतारामहीमाई २७ रामहीसजनरा
महीं रामहिकुलकुटंबपरिवारा राम
वीनाझुठासंसारा २८ रामहीसबजाल
नकेजारा रामहीदैतवीदारनहारा २९
रामहीकरतबकेकरतारा रामहीसब
केसीरजनहारा ३० रामहीमछकछ

राम॰ अवतरीया: रामहिसबदानानिरदली
२३ या २१ रामहीवाहरूपवनाये रामहि
२ असुँमारेमेदनील्याये २२ रामहिनि
रसींहअवतरीय्या रामहिहीरनाकु
सबदानानिरदलीय्या २३ रामहीवा
वनह्वैविस्तरीया रामहीजायबल
राजाछलिय्या २४ रामहिअरसप

रसह्वैलीन्हा रामहीसहैसमुझाछवकी
न्हा २५ रामहीरघुकुलवंसवधाये
रामहीछत्रीधर्मचलाये २६ रामही
तेजपुंजअवतरीया रामहिसकल
वरतेन्यारा २७ रामहीपरनब्रंह्मक
हावै रामहीकौसल्यागोदषीलावै २८
रामहीलछमहोयलीलाकीन्ही राम

राम० हीपरककंसकुंदीन्हा २९ रामहीबसुदेव
२४ घरीकवरकनाई रामहीब्रजनागरीयी
लाई ३० रामहीगीरगोवरधनधारी राम
हीडुबतब्रजउवारे ३१ रामहीबनबनधे
नचैराई रामहीमधुरीबेनवजाई ३२रा
महिवुधाओनारओनरे रामहीजाईग
यापीडमरे ३३ रामहीजानीधर्मचलाये

रामहीनेमधरमनीरवाहे ३४ रामहिबज
रषडगकरधारा रामहीमुकामाराउनारा
३५ रामहीछत्रीकुलसंघारे रामहिमपुहं
सञ्चोतारे ३६ रामहिव्यासरुपधनंतरे रा
महीकपीलावपुधरे ३७ रामहीबड्डीदे
नच्चौनारा रामहीसनकसनंदनसनतकु
मारा ३८ रामहीरुपधरेचौवीसा रामही

राम० जानरायजगदीसा ३९ रामहीधर्मकलु
२५ काथाडा रामहीमाडफेरकरमाडा ४० राम
हिकलियुगदेकगवाय रामहीसतजुग
धर्मचलाये ४१ रामहिमायरसिंधुमथा
ये रामहीचौदेरतनकढाये ४२ रामही
रूपमोहनीकीन्हा रामहीदैत्यरसानलदी
न्हा ४३ रामहिभ्रगुलताउरधारी रामही

कौसल्याकरैजुहारी ४४ रामहीपारब्र
ह्मपरगामी रामहीहैसबकेअघनासी
४५ रामहीगोविंदागरुडागांमी रामही
जगतसरोवरस्वामी ४६ रामहीनिरालं
बुनिरकारा रामहीधरागतओतारा ४७
रामहीआदरूपओतारा रामहीदसरथ
सुतकुमारा ४८ रामहिकमठातीरम

राम० माहे रामहीकागमुसंडमरमाये ४९
२६ रामहीवचनपीनाकापाला रामहीखीरनि
रनीरवाला ५० रामहिराज्ञभरथकुदी
न्हा रामहीगवनबनौकाकीन्हा ५१ रा
महीरूपधरेसीकारी रामहीजायनाहि
कामारि ५२ रामहीसप्ततालसीरवेधे
रामहिदैत्यमारिसछेदे ५३ रामहीसाय

रमिंमलजोडा रामहीधनकननकमैतो
डा ५४ रामहीसीताकीपनपाली राम
हिकरीगउत्तकीग्वाली ५५ रामहीज
लपाषांनतीराये रामहीसुरनेतीस
हुटाये ५६ रामहीकेसरीछंदलजो
उे रामहीचढलंकागढनैरे ५७ राम
हीसिंधुपलकमैपोढा रामहीमीररा

रामम० वनकाकाटा ५८ रामहीकालजाहोय
२७ रुसा रामहीलंकाकोटवीधुसा ५९ राम
सायरमेतवंधाये रामहीकंचनमहल
ढहाये ६० रामहीराजभभीखनदीन्हा
रामहीदासनिरभेकरलीन्हा ६१ रा
महीसंकरपुजपुजाये रामहीकोटक
लंकमीटाये ६२ रामहीधनुषवान

करधारी रामहीराछीसमबसिंघारे ६३
रामहीमेरस्वरीकरथापी रामहीआदजुगा
द अथापी ६४ रामहीधवलछत्रसीरली
न्हा रामहीराजअजोध्याकीन्हा ६५ रा
महीकीसांचीरजध्यानी रामहीकुगावे
ब्रम्हज्ञानी ६६ रामहीहैमाहाराजनके
राजा रामहीकेबाधेसमकाजा ६७ राम

राम०हीकेरंगमहलहरोषाछाजा रामहीकेवा
२८ जैवहुवाजा ६८ रामहीकीचालैठकुरायी
रामहीकीनीझुलोकडुढाई ६९ राममा
उग्रजवबेनाई रामहीलछमरणदोऊभा
इ ७० रामहीनिरतेजपुंजपरगासा रा
महीहदबेहदजावासा ७१ रामहीनिर
मबलकेवलदाई रामहीसंतनसदास

हाई ७२ रामहीगरउ-छाडिकेध्याये रा
महिजायग्रहाछुडाये ७३ रामहीकुटं
वकीरकात्पारा रामहीत्र्यादग्रनेकउ ८
वारा ७४ रामहीचरनग्रहल्यात्पारी
रामहीकुबजाफेरसवारी ७५ रामही
गनकापावनकीन्ही रामहीग्रजामेल
गतकीन्ही ७६ रामहीवैकुंठामैराजे रा

राम० महिष्मवधपुरीमेगाजे ७७ रामहीहनु
२८ मानहलकारा रामहीजायमहरावनमारे
७८ रामहीभीरवासकीदौरे रामहिदां
नदैत्यकेतोरे ७९ रामहीज्वालमुखु
रकुदीन्हा रामहीजनकीरछ्याराकीन्हा
८० रामहीरथीहोयरपहाका रामही
जनजोराबाहरका ८१ रामहीद्रोपता

कीपनपाली रामहीकरिगउनकीग्वाली
८२ रामहीवालमीककातोलवैधावै राम
हीसंषपचायनबजावे ८३ रामहीजरा
संपूर्णकीन्हा राममहानमजनकोदी
न्हा ८४ रामहीवेरस्योरीकेषाय रामही
छपनभोगलगाये ८५ रामही [illegible]
[illegible] बीषमीराकापीया रा

राम०) महीजनअपनाकरिलीन्हो ८६ रामही
२९ शीषकामानजमारा रामहीजनअंब्रीष
उबारा ८७ रामहीबंभमाहगलोरे राम
हीउदरअसुरकेफारे ८८ रामहीध्रुनि
हचैकरपरप्पा रामहीराजअभेचल
अरप्पा ८९ रामहीराजवीभकुदीन्हा
रामहीदुरवाल्नीद्रकीन्हा ९०) रामहीभे

टतंदुलकीन्हा राममहीधनदेसुदामाकी
न्हा ५१ राममहीजमलाअरजनबछउबा
रे राममहीसेनानाउत्पारे ५२ रामहिवे
जंतीउरराजें राममहीसंतनमाहिबीराजे
५३ राममहीदासनामदेवकेआये राम
हीदुधपीयाऔरछपरछाये ५४ राम
हीमीरततेमऊजीबाई राममहीजनकी

राम०पालवै धाई ९५ रामहीरामदेहराफेरा
३१ रामहीरथकावैलउवेरा ९६ रामहीदा
दासतीरलोचनकै आये रामहीबीर
नीयाहोयकमाये ९७ रामहीदासकबी
राकै आये रामहीभगतप्रहलादबुला
ये ९८ रामहीजनरैदासकै आये राम
हीधनाकाषेतनीपाये ९९ रामहीरंका

वंकान्यारे रामहीजनजदेवउवारे १००
रामहीपीपाकीपनपाली रामही
करैसाधनरषवाली १०१ रामहीजन
कातोलबधायै रामहीअसुरमारगरद
मेमीलावै १०२ रामहीकौभागौतबषा
नै रामहीकौंजोगेसरजानैं १०३ राम
हीकौंगीताढहरानी रामहीकसमहोई

राम० ॠकमरागीब्याही १०४ रामहीकीसंभुसुध
३२ पाई रामहीकीतीनवेदागाई १०५ रामही
कुंपंडुगत्तहीवाले रामहीकुवीसबामत्ले मैं
धारै १०६ रामहीकौंकरवतल्लेकामी रा
महीकौंमनककीरै उदासी १०७ रामकेह
सुहोईनीसतारा रामचरनसेवानीति
प्यारा १०८ रामकहेमुसबैवीलाई राम

हीरामकथाजुगाजुगचलाआई १०९

रामायनमथिज्ञानजुकाढा रामहीका

जसैंजुगाजुगवाढता ११० रामहीची

नत्रचितआनंदा रामकेहमीटजायदु

षधंधा १११ रामचिरतजोमनलावै जो

निसंकटवहुरखनहीआवै ११२ राम

चरित्रजोकोनेमसैं नाकीसदारामसुबै

रामठेन ११३ रामपुरीमैमेरावासा उरकालुसि
३३ यसुंदरदासा ११४ इतिश्रीरामचरित्रसंपू
र्णं ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ पुरीनीज
धामकहीये नीकट सरजू गंगाह जेसर
यनंदन अभरनीकंदनसीतारामजीप्र
रनब्रंह्मह १ सतीसीताभातलीछम
नधनकधारीराघोरामजीह चीत्र

कोटनपलोक कहीये सीतारामजीपू
रनब्रह्महै २ शोलेकला जुग च्यार प्र
गटे सप्तद्वीप नवषंड मे आद अंत मद
योजदेषो सीतारामजी पुरन ब्रंह्म है ३
लंकापुरी छीन माहि जारी अंजनीका
री हनुमान जीह रावन मार भभीषन
थरपे सीतारामजी पूरनब्रंह्म है ४ चेतन

रामठरे चितमाहि चेतो जोग जुगति लीलार

३४ चिरमर मना करकरना सीतारामजी पुर

नब्रह्म है ५ ब्रह्मा सेश महेश नारद

कोट अठासी देवता इंद्रादिक सनकादि

कगावे सीतारामजी प्रन ब्रह्म है ६ अ

ष्टसिद्धि नवनी दुदाता भक्त कवर

दायकं जोग ध्यान अपार लीलासी

नारामजीपूरनब्रंम्यहै ७ रामअष्टक

पढतनिसदिन विस्नलोकसोगछते

गुरुरांम्रानंद अवतार अवधसीता

रामजीपूरनब्रंम्यहै ८ इतिरामाष्टक

संपूर्णं।। राम राम पवनमंदसुगंध

सीतल हेममंदर सोभितं निकटगं

गा बहतनीरमल श्रीबद्रीनाथवीसं

गमळ्ळे भरं २ शेससुमरनकरतनीसदीनधर
३५ तध्यान महेश्वरं सिद्धिमुनिजनकरत
जेने श्री बद्रीनाथवीशंभरं २ ईद्रचंद्र
कुमेरधुनिकरिधुपदीपप्रकाशीतं
वेदब्रंला पठत अस्तुति श्रीबद्रीनाथ
वीशंभरं ३ कलाशमैयेकदेवनीरंज
नशेलशीखरमहेश्वरं राजाद्रुधिष्टर

पढत अस्तुति श्रीबद्रीनाथ पवीशंभरं
४ श्रीबद्रीनाथजीके पंचरतन पेह पढत
पापविनाशनं कोटितीर्थ भवेप्राप्तं ध्या
यते फल पायतं ५ ॥ प्रभुजीके कमलने
तर कटि पीतंबर अधर मुरली गीरध
रं मुकट कुंडल कर लकुटीया सांवरे धाव
रं कुलजमनाथ नैं आगे मकल गोपीयन

१४०) मनहरन पीतवस्त्र गरुडवान चरनमु
३६ षनीतमागरं करनकेलकीलोलनीस
दिन क्रंजभवनउजियागरं अजरअम
र अडोलनीच परशोत्तम अपरापरं
गोपिनाथगोलगोर्द्धन कंशहरनाक
शहरं गलफुलमाल बिशाललोचन
अधकसुंदरकेशवं वंसिधरवसुदेवकु

यावत्तखुलोहरिवावनं जत्नडुभवतेगज
राजरावे लंकछेदोरामन मातेदीपनवं
ऊंचोदा भवनकीनेयेकपत्लं द्रोपदाकी
लाजराधी कहानो उपमावरं दीना
नाथदयालपरम करोमकंरनाकरम
जवदनदासबिलासनिसदिनताम
जपोनीतनागनं प्रथमगुरु जीकेवर

राम. ३७ नबंधु नामैज्ञानप्रकासतं आदिविस्न
जगादिब्रंह्मासेवते शिवशंकरं श्रीक्रस्नके
शोक्रस्न जादोवंशीकेशवं श्रीरामरघुव
ररामरघुवररामरघुबररावं रामक्रस्न
गोविंदमाधोवासदेव हरवारनं मछक
छबाराहनिरसिंगनाहिरघुपतिपाव
नं मथुरामेकेशोराये बीराजे कुं गोकु

ग्वालमकंदजी श्रीब्रावनमेमदनमो
हन गोपिनाथ गोविंदजी धंनधंनम
थुराधन गोकल जाहा श्रीपति श्रौत
रे धनधन जमना नीरनिरमल ग्वाल
वाला सिषावृतं श्रीक्रस्मकलमलहरन
समके जे भजे तेरचरनको भक्तअपनी
देहो माधो भोसागरके तरनको॥ ग्री॥

१॥ ॥श्रीगणेशायनमः॥ धरिनैकाहुधी
रजिनकेमननरतमसजहरेजेराखेरघु
वीरउमरतेंहुकलिमे॥ ललोरिमर
लोचनलाहुंसखिसयानिएकमिपु
ला॥ पुरघरघरसीषदेतकाहुसुरसुरि
चरनविलोकहुनयननजन्मजन्मके
पापनग्राहु॥ गवनहिबोपदारपेंहि

अवसर नारद उरब सब करे निवा ॥ म न
कर्मनासा ॥ तीकर कै लै पुरन फिरन रहे
उर अंत सजरु ॥ ३ ॥ समनी सजुरे मिथु
लापुर राम सीया कर विविध व्याहह
षितगगन सुमन नसुरेव षंत सकलसव
न भरर रहोउ धरु ॥ ४ ॥ अवनहि रामज
न कपुर आंई है नातु मन नगर अजुध्या

ॐ ह्रीं श्रैं हं हरशापूरल मर्द॰ पतके सम
झ सोव किं ननपचताहु ॥ सवसुब
सागर रूप उजागर प्रभु हि विलोक'
छ कत मंपि माहु तुलसी दास वेऊं ना
ग उनैं हि कै जापै कृपा करे जानविना
ऊलेलोदि मरलीचननलाहु ॥

श्रीराम किहिकहौंबिपतअतिभारी रघुबीरदी
नहितकारी ॥ ममहृदयभवनप्रभुतोरा ज
हाँबसेआँनबहुचोरा ॥ मानेनहिंबिनयनिहो
रा ॥ केहि ॥ तमकामक्रोधअहंकारा मदक्रो
धमोहरिपुमारा अतिकरहैंउपद्रवनाथा
मोहिलूटतजानअनाथा केहिकहौ ॥ मैंएक

अमितबटमारा केहितनमेंकरोंपुकारा मागे

कौनहीनिरखवारा ॥ रघुनायककरयेसंभारा

केहिकहौ ॥ कहैंतुलसीदाससुनरामा लू

टततसकरतोरेधामाचिंतामोहेएकअपा

रा मतअपजसहोयतुम्हारा ॥ केहिकहौ

धन धनकिसवाहर कलिसवानाचत

किरतमहिसवारे खेबगडायकीन्हहि

ग ढडवा महामूढजडबपवारे ॥ प्रा

गदासपहलदवाकारणरघुवाहुय

गयेबघवारे ॥ काहेकोबांधतमीर

कमनयां भवेंतुम्हारिकमानबनीदेंपलकें

मरकीअनयां काहेका मायामृगपाछे

तुमडोलोसंतनकोदरसनया दयेसखे

को घायलकीना घरपहुंचादो लेकरके

नया ॥ ॥ आनदेखोजू भामिनीकीशो

भा पाछेसेंमनायलीन्यारेहोगेबिंदा

करपरकपोलधरे बेठरहीनयनमूंद

कमलविछायमानेबेठेआयवंदा ॥
आनदेखोजू ॥ रसभरीभोयें जामेंन
वरबेठेअरबरात इंदुतरआयोजानि
जानमकरंदा ॥ जीवनगिरधारीऐसीप्या
रीकहेकोरुसयैंलालजाकेमुखवंदेखसें ॥
कटतदुखकेफंदा ॥ आनदेखोजू

श्रीराम मधुकर यह्वा नाहीं मन मेरो गयो जो सं
ग नंदनंदन के बहुरन कीनो फेरो मधुकर मे
दे पंडे सिंगार अनित अलि यह निर्गुराम न तेरो ॥
[illegible] इन नयनन मुसकान मोल ले करो परायो चेरो
को सुनै सीखे सूरज ता बिनु कछु रक्षा है केरो ॥

पः
श्रीराम - मधुप तुम्हे गोलै घुआई कबहूं किस्या
मकरत यहां कोमन अंगकपट निपट चतुराई
॥मधुप तुम्हे॥ हमनागर मथुरा निरमोहि
हटकत हीहैं करी सगाई ॥ मधुप तुम्हे॥ हम
अहीर मतहीन बापरी कुलसचंद्र क्योहमें बिस
राई सूर्दास प्रभु बिदेलाज धरो मिलो ब्रजको

लोग हंसाइ रामचरणभजरामकी

सतजतीरथराजविराजें अंकुसकुंडलसकम

लघ जचिन्नतमेंवरतंरंगविलासा मझेंसुरस

ज्ञुनमुनिजन तहांमुदितमनोहरबासा रामचर्ण

शंकरहृदयभक्तिभू तलतल प्रेमअखेबटछाजे

रामचरण ॥ ध्यर्यम्बरातनप्रष्रसहणतलल

सतबिमुतन्टकसैनी मानरबिमुतामर्दाभूरु
सुरीक्ष बहुचलीला म ललित त्रवेनी बिनु
बैराग जोग बृत संजम बिनु तीरथ न तुल्या
गे सोई सुफल दास तुलसीपद पिराग अ
नुरागे तुलसीदास तात को सोचन
मातु को सोजन सोच अवध के राज छुटे को

बंधुबिछोहको सोचनही नहो सोचजटायू
कुंपखजरेको बारंबारपुकारकहेराजा
रामचंद्रमोहेसोचविभीषणरामूपकहेको
सषीनंदनंदनप्यारीजाहोजियप्रानपि
यारारी॥ जबतेंसुनीहैबासरीवाकीतान
लगीजियफासरीबोतोबेंधगईतनमासूरी
गकेतेकरोकोउहांस॥१॥ जानकूटीसब

लाजकी मोसूधबिसरी जलनाजकी कोईर
हीन उपावब्लाजकी जबपोहरही बृजा॥२॥
बिरहकलेजा षाइरीदिन रैनकरूहाय हाय री
नितबनबनढूंढूजा यरी कोई मोहन देवोबताय
॥३॥ पहलेहि बलमिलगयो प्रीतसोफिर पटक
बिसारीचीतसोतेसेनिरमोही प्रीतसोकहो कोनस
कतहैजीत॥४॥जबदईदिखाईज्ञानकेतबमार

ग यो सर तान कै सबदेनन दर्शन जा जानकै क
हो कैसे रहिये प्रान ॥५॥ जो रोक तन जम ना तीर
है चूरायछि पायेचीरहै नि तखीन बायो दधि
छीर है कहा जानेपराई पीर ॥६॥ मो रमूसर
सा ठो नाम कोमै तो भूली हू घधा धाम कोमो हू
चेट कलागो स्याम को मोहे और न सोंक हा काम
॥७॥ धरती पाताल अकास मै वो तो नैनन प्रान न स्वा
स मैं वो तो हूं तसतविलत सतरास मै संतन की दूरन

ग्रास॥८॥जाको नाम गुपाल है वो तो सब जग
को प्रतिपाल है वो नो पतत उधारन ख्याल है
ताको दासन दास खुसाल॥राग नी आसा॥ प्रभू
जी कौ भीषम सी सन वायो॥प्रल्हाद की परति
ग्यारा षी नृसिंह रूप बनायो॥१॥भारत मांही
अंडा राषे घंटा तो टुबगायो॥नरसी साह की हुं
डी झेली सेना सो मच मी टाम यो॥२॥गज के
काज पयादे धा ए धंना षे तबि पजायो दुर

जो धन की सेवा त्याजी साज बिदुर घर पायो।
॥३॥ सदा सहाय करी संतन की पी पाव र चो पा
यो। विश्मृदास सम् प कहा लज बर नै ज सजग बे
द न गा यो॥ चुनन श्री राम जी सहाय ः॥ जय जय ज
य नृ प जन क कि ओ री तेरो हि ध्यान धर त नि स
वा सुर नारद सा र्द शंकर गौरी॥ तेरे जज भाग
के का र्गंगा मजूरे सुर नर एक ठोरी॥ भुज उठाय
सूवबिति कहा की सो धन कर्तो।

पीछै चलहै सबै देवताजबजागेसिसपा
लबिस्मूयब्रम्हूमपूराकस्वामीलैरूकमननतल
काल ॥ रागदेवगंधार ॥ आजगृहिनंदमहरिकेव
धाई ॥ ज्ञातसमैमोहनमूखनिरखतकोटचंदछबि
छाई ॥ मिलब्रजनारीमंगलगावातनदनवनमेआ
ई ॥ देतअसीसजीयोजसमतसूतकोटिकवरसक
नाई ॥ नीतआनंदबनकौब्दावनकेयमाकहीय
नजाही ॥ सूरदासजसमतिधनिधननंदरानीनैन

ਸਿਨੀਰ.ਣ.ਸੀਤੁਢੀ॥